आज का विचार

मुखिया को अपनी टीम चुनने की छूट होगी तभी वह अपनी पसंद से चयन करके अनुकूल परिणाम प्राप्त कर पाएगा, अन्यथा अन्य के दबाव में मिला साथी किसी ओर के प्रति जिम्मेदार रहेगा। *शिवकुमार त्रिवेदी चिंतन सरिता)*

दैनिक **लोकजीवन**

मोदी सरकार : नया मंत्री मंडल

2019 के जनादेश ने चमत्कार कर दिखाया, जब दशकों बाद कोई प्रधानमंत्री ने सकारात्मक वोट हासिल करके पूर्ण बहुमत से धमाकेदार वापसी की। मोदी को देश की जनता ने 2014 के मुकाबले अधिक सीटें प्रदान कर यह आजादी भी दी है कि वे मंत्री मंडलीय साथियों का चयन बिना किसी दबाव के अपनी पसंद से करें। आखिर पहला अवसर है जब चुनाव मोदी राहुल के बीच था जिसे मोदी ने भारी अंतर से जीत कर सभी को अहसास करवा दिया कि जीत का सीधा श्रेय मोदी को है इसलिए कोई यह दबाव बनाने की स्थिति में ही नहीं रहा कि उसे मंत्री पद नहीं दिया तो परेशान पैदा करेगा, यहीं बात एनडीए के सहयोगी दलों पर भी लागू है लेकिन सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास का मंत्र देने वाले प्रधानमंत्री साथी दलों का भी पूरा सम्मान कर रहे है। वैसे भी यह प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है कि किसे मंत्री परिषद में जगह दे और किसे नहीं लेकिन जनादेश की ताकत के आगे सभी को नत मस्तक होना ही है मोदी-2 के शपथ समारोह में 8 देशों के प्रमुखों को आमंत्रित किया गया है। जबकि स्वयं इच्छुक होने के उपरान्त भी पुलवामा के बाद के हालात को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को निमंत्रण नहीं दिया गया। गुरूवार सायं राष्ट्रपति भवन के खुले मैदान में श्री मोदी व उनके सहयोगी मंत्रियों को राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई, समारोह को भव्य बनाने के लिए साढे छह हजार प्रमुख लोगों को आमंत्रित किया गया। पिछली बार के 48 के मुकाबले इस बार प्रधानमंत्री मोदी सहित 58 सदस्यों को मंत्री परिषद में शामिल किया गया। जिनमें 24 केबिनेट, 9 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रीारी तथा 24 राज्य मंत्री बनाये गये। भाजपा के अलावा अकाली दल, शिवसेना, लोजपा को मौका दिया गया। वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, निर्मला सीतारमण, नितीन गाडकरी, रामविलास पासवान, मुख्तार अब्बास नकवी जैसे बड़े नेताओं को मंत्री बनाया वहीं गरीब को गणेश मानने के भाव को सार्थक करते हुए उड़ीसा से जीतकर आये सबसे गरीब और सबसे कम खर्च में सांसद बने प्रतापचंद सारंगी को राज्यमंत्री बनाया। जिन्होंने अपना चुनाव प्रचार भी साइकिल पर भी किया वे साइकिल वाले नेता के तौर पर ही जाने जाते है। अपेक्षा की जा सकती है कि राजस्थान का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए अगले विस्तार में मौका मिले। अभी प्रदेश के तीनख सांसदों को मंत्री पद दिया गया है।

कड़वी घूंट -सूरज

एकतिहाई क्यों नहीं ...

देश में महिलाओं को सम्मान देने तथा राजनीति में आरक्षण का दबाव बना हुआ है। स्थानीय निकाय और पंचायत राज संस्थाओं में महिला आरक्षण लागू है और सफलता पूर्वक चल रहा है वार्ड पंच से लगाकर जिला प्रमुख, मेयर, सभापति तक के पदों पर महिलाएं सफलता पूर्वक नेतृत्व कर रही है यह किसी की दया पर नहीं अपितु आरक्षण के दबाव से संभव हुआ है। विपरित इसके लोकसभा व विधानसभाओं में महिला आरक्षण वाला विधेयक ढाई दशकों से लम्बित है हर बार यह उम्मीद की जाती है कि इस बार विधेयक पारित होगा लेकिन नेता लोग टालने के बहाने ढूंढ़ ही लेते है सकारात्मक सोच वाले नेता भी बने की गुंजाइश निकाल लेते है। हां पहली बार उड़ीसा के मुख्यमंत्री और बीजद प्रमुख नवीन पटनायक ने विधानसभा चुनाव में तैतीस प्रतिशत महिलाओं को टिकट देने की, जब उम्मीदवार बनाया तो यह उम्मीद भी जगी कि मंत्री परिषद में भी ऐसा ही फैसला होगा लेकिन पांचवी बार मुख्यमंत्री की शपथ लेने वाले नवीन पटनायक के साथ मात्र दो महिलाओं को मंत्री पद दिया। जबकि 11 पुरूषों को मौका दिया। अब यह आप जानो कि यहां भी एक तिहाई को अवसर दिया जाता तो लगता कि महिलाओं की भागीदारी मंत्री परिषद में भी बढ़ाना चाहते है।

जेपी नड्डा को मिल सकता है संगठन में बड़ा ओहदा, मोदी और शाह के हैं करीबी

लोकजीवन न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

मोदी सरकार में अमित शाह के कैबिनेट मंत्री बनने और हिमाचल से अनुराग ठाकुर के राज्यमंत्री बनने के बाद जेपी नड्डा को भाजपा संगठन का बड़ा ओहदा मिल सकता है। नड्डा को पार्टी की कमान मिलने की चर्चा ने जोर पकड़ लिया है।

यदि ऐसा होता है तो वह हिमाचल के पहले नेता होंगे, जो किसी राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष होंगे। ऐसे में हिमाचल की राजनीति के इतिहास में भी एक नया अध्याय जुड़ सकता है। शाह के केंद्रीय मंत्री बनने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नड्डा की दावेदारी सबसे मजबूत मानी जा रही है। पिछली मोदी सरकार में नड्डा केंद्रीय मंत्री बनाए गए थे। इस बार मोदी के करीबी नड्डा का केंद्रीय कैबिनेट में शामिल नहीं होने से यह साफ संकेत मिल रहा है कि उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। इस बारे में पिछले कई दिनों से चर्चा है। इस बार लोकसभा चुनाव में नड्डा यूपी में प्रभारी रहे हैं।

महागठबंधन के बाद यूपी में भाजपा के लिए राहें आसान नहीं मानी जा रही थीं, लेकिन नड्डा वहां लगातार डटे रहे और ग्राउंड स्तर पर कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं के साथ मिलकर यूपी में भाजपा के सिर एक तरफा जीत का सेहरा बांध दिया। यूपी के नतीजों से नड्डा का संगठन में कद और बढ़ गया। इससे पूर्व भी नड्डा कई राज्यों में चुनाव प्रभारी रहे।

नरेंद्र मोदी कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह में गुरुवार को भी नड्डा को फर्स्ट रो में पहली सीट पर बैठे। इससे भी उन्हें महत्व देने की बात सामने आई है। इससे पहले नड्डा पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि देने गए नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भी साथ में रहे। इससे उनका पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के करीब होना दिखता है। जेपी नड्डा का जन्म 2 दिसंबर, 1960 में ब्राह्मण परिवार में डॉ. नारायण लाल नड्डा के घर हुआ। उनकी शिक्षा सेंट जेवियर्स स्कूल पटना में हुई। पटना कॉलेज और पटना विश्वविद्यालय में बीए और एलएलबी की शिक्षा ग्रहण की। 1993 में नड्डा पहली बार हिमाचल विधानसभा पहुंचे। 1994 से 1998 तक पार्टी समूह के नेता के रूप में कार्य किया। वर्ष 2008 से 2010 तक नड्डा वन, पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री रहे।

जबकि पूर्व केंद्र सरकार में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री रहे। नड्डा 16 साल की उम्र में छात्र राजनीति में उतर गए थे। उस समय बिहार में स्टूडेंट मूवमेंट चरम पर था। 1977 में पटना विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव में सचिव चुने गए, जबकि 13 साल विद्यार्थी परिषद में सक्रिय रहे।

मोदी सरकार के मंत्रिमंडल में पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को जगह न मिलने पर उनके गृह क्षेत्र विजयपुर में मायूसी का आलम रहा। दिल्ली में शपथ ग्रहण समारोह के सीधे प्रसारण पर टकटकी बांधे लोगों को उम्मीद थी कि नड्डा को इस बार भी महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेवारी दी जा सकती है, लेकिन मंत्रिपद की शपथ लेने वालों में वे नजर नहीं आए। हालांकि मंत्रिमंडल से बाहर होने पर नड्डा को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी देने की चर्चा ने लोगों को उत्साहित भी कर दिया। उधर, हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से लगातार चौथी बार सांसद बने अनुराग ठाकुर को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने पर लोगों में खुशी की लहर है। इसी बीच नड्डा के नाम की चर्चा संगठन के अध्यक्ष के तौर पर होने से पूरे जिले के लोगों में एक हाथ खोने तो दूसरे हाथ पाने जैसा एहसास रहा।

धड़ल्ले से हो रहा बजरी दोहन

सवाईपुर। कस्बे सहित आसपास के गांवों में बजरी का दोहन किया जा रहा हैं। सुप्रीम कोर्ट की रोक के बावजूद भी खनिज विभाग व पुलिस प्रशासन अवैध बजरी दोहन करने वाले के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। जिसके चलते क्षेत्र के कोठारी नदी से ट्रैक्टरों के द्वारा अवैध रूप से बजरी का दोहन किया जा रहा है, जो हाइवे से होकर सरपट दौड़ते नजर आते हैं। क्षेत्र के सवाईपुर व सालरिया घाटो, ढ़ेलाणा घाटा, बनकाखेड़ा व ककरोलिया माफी घाटों से ट्रैक्टर बजरी दोहन मे लगे हुए।

Bhilwara Spinners Limited

CIN:U117115 RJ 1980 PCL008217
Regd. Off.: 26, Industrial Area, Bhilwara - 311 001 (Rajasthan)

AUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND YEAR ENDED 31ST MARCH, 2019 (Rs. in Lac)

Particulars	Quarter Ended	Year Ended	
	31.3.2019	31.3.2019	31.3.2018
		Audited	
Total income from Operation (net)	49.00	211.08	535.35
Other Income	16.94	64.96	89.40
Exceptional Items	0.00	669.87	38.92
Net Profit (+)/Loss(-) from Ordinary Activities	(44.85)	(46.16)	56.77
Net Profit (+)/Loss(-) after Exceptional income & tax	(44.85)	495.25	74.28
Paid-up equity share capital (Face Value of the Share Rs.10/- per share)	676	676	676
Reserve excluding Revaluation Reserves as per balance sheet of previous accounting year	-	1123.81	628.56
Earning per share from Ordinary Activities	(0.66)	(0.68)	0.84
Earning per share After Exceptional income & Tax	(0.66)	7.33	1.10

Note:
The above is an extract of the detailed formet of financial result for the quarter/ year ended 31st March 2019 filed with the stock Exchange under regulation 33 of SEBI (Listing and other Discloser Requirments)Regulations 2015.The full formet of the financial results are avalable on the stock Exchanges websites www.bseindia.com.

By order of the Board
for **Bhilwara Spinners Limited**
Ashok Kumar Kothari
Director
DIN-00132801

Date : 28th May, 2019
Place : Bhilwara (Rajasthan)

एडमिरल करमबीर सिंह बने नए नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली । एडमिरल करमबीर सिंह ने शुक्रवार को 24वें नौसेना अध्यक्ष के तौर पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने एडमिरल सुनील लांबा की जगह ली है। 31 मई को लांबा का कार्यकाल पूरा हो रहा है। उन्हें गुरुवार को ही पदभार संभालने के लिए सैन्य ट्रिब्यूनल ने इजाजत दी थी। ट्रिब्यूनल ने बुधवार को उनकी नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई को सात हफ्तों के लिए टाल दिया है। नौसेना प्रमुख का पद संभालने के बाद एडमिरल करमबीर सिंह ने कहा, मेरे पूर्ववर्तियों ने यह सुनिश्चित किया कि नौसेना के पास एक ठोस आधार हो और वह नई ऊंचाइयों तक पहुंचे। अब यह मेरी जिम्मेदारी होगी कि मैं उनके प्रयासों को जारी रखूं और देश को एक ऐसी नौसेना दूं जो मजबूत विश्वसनीय और समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा चुनौती को पूरा करने के लिए तैयार है।

RANJAN POLYSTERS LIMITED

Regd. Office: 11-12th K.M Stone, Chittorgarh Road, Guwardi, Bhilwara- 311001 (Rajasthan).
Email: ranjanpoly@gmail.com, Website: www.ranjanpolysters.com
CIN: L24302RJ1990PLC005560, Tel No.- 01482-249095,

EXTRACT OF AUDITED STANDALONE FINANCIAL RESULT FOR THE QUARTER AND YEAR ENDED 31STMARCH, 2019
Rs. in Lacs, except as stated)

Sl. No.	Particulars	Quarter Ended			Financial Year Ended Audited	
		31.03.2019 Audited	31.12.2018 Unaudited	31.03.2018 Audited	31.03.2019 Audited	31.03.2018 Audited
1.	Total Income from Operations (Net)	1210.25	959.10	1148.44	4344.23	4285.52
2.	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	12.55	32.12	-56.02	83.74	60.74
3.	Net Profit / (Loss) for the period before Tax(after Exceptional and/or Extraordinary items)	12.55	32.12	-56.02	83.74	60.74
4.	Net Profit / (Loss) for the period after Tax(after Exceptional and/or Extraordinary items)	47.44	0.58	-60.08	69.83	33.67
5.	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	47.44	-0.45	-64.92	69.65	29.55
6.	Equity Share Capital (Face Value Rs. 10/- each)	300.09	300.09	300.09	300.09	300.09
7.	Reserve excluding Revaluation Reserve.	-	-	-	620.46	556.14
8.	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations)- 1.Basic 2. Diluted	1.58	0.02	-2.03	2.33	1.12

Note:-
1. The Financial Statement has reviewed by the Audit Committee and approved by the Board of Directors of the company at their respective meeting held on 30.05.2019 at Bhilwara.
2. This statement has been prepared in accordance with the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015 (Ind AS) prescribed under section 133 of the companies Act, 2013, and other Indian Generally Accepted Accounting Practices and policies to the extent applicable.
3. The above is an extract of the detailed format of Audited Annual Financial Results for the Quarter and Year ended 31.03.2019filed with the stock Exchange under the Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Financial Results are available on the Stock Exchange website, **www.msei.inand** on the company's **website, 222.ranjanpolysters.com**.

By the order of the Board
Mahesh Kumar Bhimsaria
Managing Director

Date: May30, 2019
Place: Bhilwara
D No. 00131930